राज निवास
दिल्ली-११००५४
RAJ NIWAS
DELHI-110054

सत्यमेव जयते

विनय कुमार सक्सेना
उपराज्यपाल
Vinai Kumar Saxena
Lt. Governor

D.O. No.: RN/2025/83
Dated: 28/01/2025

प्रिय आतिशी जी,

दिल्ली विधानसभा चुनावों के कुछ ही दिन पहले मुख्य सचिव द्वारा अग्रसारित रिपोर्ट तथा मीडिया की ख़बरों द्वारा मेरा ध्यान एक अत्यंत संवेदनशील विषय की तरफ आकर्षित किया गया है।

2. इन रिपोर्टों के मुताबिक पूर्व मुख्यमंत्री एवं आपकी पार्टी के नेता श्री अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा सरकार पर यमुना नदी में **जहर** मिलाने का तथा **दिल्ली में सामूहिक नरसंहार** के प्रयास का आरोप लगाया है। यह अत्यंत आपत्तिजनक, दुर्भाग्यपूर्ण एवं अवांछनीय है। हालाँकि, श्री केजरीवाल द्वारा भ्रामक और तथ्यविहीन वक्तव्य दिया जाना कोई नई बात नहीं है, परन्तु ये सरासर झूठा बयान न सिर्फ दिल्ली के लोगों में भ्रम तथा भय उत्पन्न करने की क्षमता रखता है बल्कि इससे दो पड़ोसी राज्यों के बीच अति वैमनस्यता भी उत्पन्न हो सकती है।

3. यही नहीं, विधानसभा चुनाव में आपकी व्यस्तता के बावजूद मुझे ये पत्र आपको मजबूरी में इसलिए लिखना पड़ रहा है क्योंकि आप मुख्यमंत्री के तौर पर एक संवैधानिक ज़िम्मेदारी संभालती हैं और आपसे अपेक्षित है कि आप जनता के हितों और राजनीतिक शुचिता तथा मर्यादाओं का पालन करें। हालाँकि आपने श्री केजरीवाल के वक्तव्य की भर्त्सना करने की बजाय, इस विषय पर निर्वाचन आयोग को पत्र लिख कर आमजन में भ्रम और भय को और मजबूत करने का काम किया है।

4. भारत की एक जिम्मेवार नागरिक होने के नाते आप ये मानेंगी कि एक सरकार के द्वारा किसी दूसरे राज्य की सरकार के विरुद्ध इस प्रकार के गलत, आधारहीन, गैर जिम्मेदार और भड़काऊ बयान लोकतंत्र में अस्वीकार्य हैं। इस प्रकार के वक्तव्य, पत्र और ट्वीट हरियाणा एवं दिल्ली दोनों ही राज्य सरकारों के लिए कानून व्यवस्था की गंभीर चुनौतिओं का कारक बन सकते हैं।

सत्यमेव जयते

5. यह शर्मनाक है कि श्री केजरीवाल और आपके बयान के बाद दिल्ली जल बोर्ड, जो कि सीधा आपकी सरकार के अधीन आता है उसे एक रिपोर्ट लिख तथा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर, आप दोनों के बयानों का खंडन करना पड़ा। जल बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के विस्तृत रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सर्दी के इन वर्षा रहित महीनों में यमुना में अमोनिया के स्तर में सदैव ही उतार-चढ़ाव बना रहता है। रिपोर्ट के आंकड़ों से स्पष्ट है कि यमुना में जहाँ 31 दिसंबर 2024 को अमोनिया का स्तर 7.5-10 mg/l था, वहीं 27 जनवरी 2025 को यह घटकर, 6.8-7.2 mg/l अंकित किया गया। यह समझ से परे है कि दिसंबर माह में जब यमुना में अमोनिया उच्चतम स्तर पर था तब आप चुप रहे और अब जबकि अमोनिया का स्तर घट गया, तब आप लोगों ने, हरियाणा सरकार पर जहर मिलाने का अनर्गल आरोप लगा दिया।

6. यमुना में हर साल होने वाली अमोनिया की इस समस्या का पिछले 10 वर्षों में आपके पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री एवं आपके द्वारा कई सार्थक प्रयास किये जा सकते थे परन्तु आपने कुछ नहीं किया और अब इस संवेदनशील समय में अपनी असफलताओं का दोष आदतन दूसरे प्रदेश पर थोप कर आम जनता की आंखों में धूल झोंक रहें हैं।

7. इस प्रकार की बयानबाजी से पहले क्या आपको ये नहीं सोचना चाहिए कि दिल्ली से गुजरने के बाद, दक्षिण हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश को यमुना का कैसा विषाक्त पानी मिलता है, जबकि उत्तरी हरियाणा से मिलने वाला यमुना का पानी वजीराबाद बैराज तक इसकी तुलना में कई गुना स्वच्छ होता है।

8. यह सर्वविदित है कि दिल्ली पेयजल आपूर्ति के लिए पड़ोसी राज्य हरियाणा और उत्तर प्रदेश पर निर्भर है। यमुना के अलावा हरियाणा राज्य से मुनक नहर के माध्यम से एवं अपर गंगा कैनाल से मुरादनगर के पास से गंगा जल की आपूर्ति उत्तर प्रदेश द्वारा की जाती है, जबकि बदले में दिल्ली भारी मात्रा में अनुपचारित औद्योगिक एवं घरेलू सीवर यमुना में सीधे डालकर हरियाणा और उत्तर प्रदेश को देता है। यह विडंबना ही है कि इस विषय पर आत्मचिंतन और आवश्यक कार्यवाही करने के बजाय दिल्ली सरकार दूसरे राज्यों पर झूठे आरोप लगा रही है।

सत्यमेव जयते

9. अंत में मैं कहना चाहूँगा कि राजनेताओं और सरकारों की तरफ सम्पूर्ण समाज आस्था और विश्वास रखता है। नेताओं का हर वक्तव्य जनहित को सर्वोपरि रख, सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए होना चाहिए। पेयजल जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ज़हर मिलाने और जनसंहार करने जैसे असत्य, भ्रामक और तथ्यहीन आरोप किसी अन्य राज्य सरकार पर लगाकर जनता को भड़काने का प्रयास न केवल राज्यों बल्कि राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं। मेरी अपनी स्मृति में इसके पूर्व ऐसे बयान विघटनकारी दलों तथा व्यक्तियों द्वारा ही दिए गये हैं।

10. मुझे आशा है कि एक पढ़ी-लिखी, प्रबुद्ध एवं संवेदनशील महिला और दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में आप तुच्छ हितों से ऊपर उठकर जनकल्याण एवं शांति व्यवस्था के हित में इस प्रकार की भ्रामक, खतरनाक एवं आधारहीन बातें नहीं करेंगी और अपने नेता को भी ऐसा न करने की सलाह देंगी।

आपका,

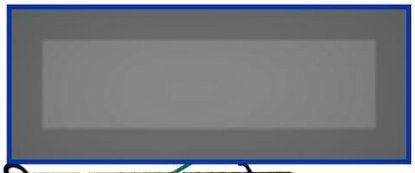

(विनय कुमार सक्सेना)

सुश्री आतिशी
माननीय मुख्यमंत्री,
रा.रा.क्षे., दिल्ली सरकार